प्रसिद्ध झाले !!

प्रसिद्ध झाले

पुस्तक रुपाने पहिल्यांदा प्रसिद्ध होणारे अजब पुस्त
प्रत्येक मराठी सिनेमा रसिकाना वाचण्यासारखे रंगदार पुस्त
वाचा आणि कलावंतावरोबर तुम्हीं आपले नसीब पहा.

फिल्मी कलावंताचे नशीब

या पुस्तकांत दिलीपकुमार, राजकपूर, देवआनंद, अशोक-
कुमार, मनोजकुमार, शशीकपूर, सुनिलदत्त, व शम्मीकपूर
असे आपले जागतीच्र कितींचे आठ अभिनेत्यांचे भविष्य दिले आहे

या पुस्तकांत त्यांच्या जन्मापासून आतापर्यन्तच्या जिवनां
काय झाले ? काय होणार ? यांचे इतभूत भविष्य दिले आहे.

हे पुस्तक प्रत्येक मराठी माणसाने आपल्या संग्रही ठेवण्य
सारखे आहे.

पृष्ठ ६०. किंमत पैसे

आजच खरेदी करा—किंवा ७५ पैशाची पोष्ट स्टॅंप

अथवा

मनीऑडर करुन घरपोंच मांगवा

—: सेंट्रलप्रकाशन :—

पायबाला स्ट्रीट, न्यू चार्नीरोड, बंबई ४

दिदेव

किंमत १० पैसे

राजेन्द्रकुमार प्रस्तुत करते हैं

* राजेंद्रकुमार प्रेझेंट *

डायरेक्टर-रवि नागेश 卐 म्यु.-राहुलदेव बर्मन

कलाकार-नंदा, राजेश खन्ना, हेलन, राजेंद्रनाथ, मदनपुरी, सुंदर

गाने—आनंद बक्षी

दि ट्रेन के गाने

—१—

किस लिए मैने प्यार किया
दिल को यूं ही बेकरार किया
शाम सवेरे तेरी राह देखी
रात दिन इंतजार किया
आंखों में मैने काजल डाला, माथे पे बिंदिया लगाई
ऐसे में तू आजाये तो क्या हो राम दुहाई
चुपके मन में अरमानों ने ली जैसी अंगडाई
कोई देखे तो क्या समझे हो जाए रुसवाई
नि क्यूं सिंगार किया, दिल को यूं ही बेकरार किया
शाम सवेरे तेरी राह देखी
रात दिन इंतजार किया
आज वो दिन है जिसके लिए मै तडपी बनके राधा
आज मेरे मनकी बेचैनी बढ गई और ज्यादा
प्यार में धोका न खा जाए ये मन सीधा साधा
ऐसा न हो झूठा निकले आज मिलन का वादा

मैने क्यूं एतबार किया
दिल को यूं ही बेकरार किया
शाम सवेरे तेरी राह देखी
रात दिन इंतजार किया

—२—

लडका-मुझसे भला ये काजल तेरा
नैन बसे दिन रैन-नि सोनिये २
लडकी-हो छोड बेदर्दी आंचल मेरा
हो गई मै बेचैन-रे सोनिया २
लडका-नाम कि तू है मेरी सजनिया
नाम का हूं मै तेरी पिया-ओ
रेशमी लटसे खेले ये गजरा
दूर से तरसे मेरा जिया
लडकी-ना ना लडका-हां हां
लडकी-तौबा लडका-तौबा कैसी
लडकी-नाम है प्रेमी पागल तेरा तो संग
लागे नैन-रे सोनिये २
लडकी-प्रेमी गली में होगा न बलमा
तुझसा दिवाना और कोई-ओ
चन उडाना, निंद चुराना सीखे यह तुझसे चोर कोई
लडका-ना ना लडकी-हां हां

लडका-गोरी लडकी-क्या है सैयां
लडका-हां आप हूं मै तो घायल तेरा
तडपू सारी रैन-नि सोनिये २
लडकी-छोड बेदर्दी...मेरा हो गई...वे सोनिया २
लडका-चाहे पवन हो चाहे किरन हो
छूने न दूंगा तेरा किरन
लडकी-जलता है मन तो मन में छुपा के
रख ले मुझे तू मेरे सजन
लडका-ना ना लडकी-हां हां
लडका-रानी लडकी-क्या है राजा
लडका-हां रुप बरसता बादल तेरा प्यासे है नैन-नि सोनिये २
लडकी-ओ छोड...मेरा हो गई...रे सोनिया २

—३—

लडका-ओ मेरी जां जां मैने कहा, ओ मेरी जां तूने सुना
दिलने दिलसे क्या कहा बिगी २ ३ ४ ५ ६ ७
लडका-ओ मेरी जां मैने कहा, ओ मेरी जां तूने सुना
दिलने दिलसे क्या कहा
लडकी-बातों बातों में करती हूं कमाल, ए २ ३ ४ ५ ६ ७
बस जाती हूं मै दिलमें बनके ख्याल, तारी री री
आंखों २ में देती हूं मै जवाब
आंखा २ में करती हूं मै सवाल

लडका-ओ मेरी...कहा, ओ मेरी सुना
दिलने...कहा, मेरे होठों पे अफसाना प्यार का
लडकी-मै भी थोडीसी रहती हूं बेकरार ए २ ३ ४ ५ ६ ७
तू भी थोडासा लगता है बेकरार, तारी री रां रा
तेरी मेरी तो हालत है एक सी, ए २ ३ ४ ५ ६ ७
क्यों ना आपस में हम दोनों करले प्यार
लडकी-मेरी...कहां मेरी...सुना
दिलने...कहा दादू देरा दादू ला ला
लडका-दिल कश बातें हंसी मैफिल दिले जवां
ए २ ३ ४ ५ ६ ७ ऐसी रातें जवानी में फिर कहा
तारी री रा रा ए २ ३ ४ ५ ६ ६
तेरे लब पे मुहब्बत की दास्तां
लडका-मेरी जां मैने कहां मेरी जां तूने सुना
दिल ने दिलसे क्या कहां

—४—

गुलाबी आंखें जो तेरी देखी
शराबी यह दिल हो गया
संभालो मुझको ओ मेरे यारों
संभलना मुश्किल हो गया
दिल पे मेरे ख्वाब तेरे तस्वीरें जेसे हा दिवार पे
श्रतुपे फिदा मै क्यूं हुआ आता है गुस्सा मुझे यारपे

मै लुट गया मान ले दिलका कहा
मै कहीं का न रहा, क्या करुं मै दिलरुबा
बुरा ये जादू तेरी आंखों का
यह मेरा कातिल हो गया
गुलाबी आंखें जो तेरी देखी शराबी यह दिल हो गया
मैने सदा चाहा यहीं दामन बचालूं हसीनों से मै
तेरी कसम ख्वाबों में भी
बचता फिरा नाजनीनों से मै
तौबा मगर मिल गई तुझसे नजर
मिला गया दर्द जिगर सुन जरा ओ बेखर
जरासा हंस के जो देखा तूने
मै तेरा बिस्मिल हो गया
गुलाबी आंखें जो तेरी देखी शराबी यह दिल होगया
संभालो मुझको ओ मेरे यारों संभलना मुश्किल हो गया

—५—

मैने दिल कभी दिया नहीं मै अभी क्या जानूं
मै हूं नादान तू अंजान मै कैसे मानू
बस आज नहीं तो हम मिले है बेचैन होठोंपे मिले है
दो चार होगी मुलाकाते फिर होगी प्यार भरी बातें
मैने प्यार कभी किया नहीं मै अभी क्या जानूं
मै हूं नादान तू अंजान मै कैसे मानूं

सौ बार लोगोंसे सुना है इस प्यार में भी इक नशा है
दो घूंट पीलूं तो बताऊं ऊफ यह जाम अभी मिया नहीं
मै अभी क्या जानूं
मै हूं नादान तू अंजान मै कैसे मानू
मैने दिल अभी दिया नहीं

—६—

छैया रे छैया रे तारों की छैया
सैयां रे सैयां रे छुप के सैयां
आइके पकडालिनी क्यों, मै का करुं
चोर निकला वो शहरी बाबू, निंद चुराली मोरी
उसकी मिठी बातों में आ गई, मै गांव की गोरी
प्रेम की अखियां प्यार की बतियां
जैसे भूल भूलैया-मै क्या करुं
बेदर्दी को बाली उमर पे हाय तरस न आया
कैसे देखा जैसे देखा, जैसे तीर चला
हाय, वो न माना कोई बहाना
लाख पडी मै पैया... मै क्या करुं...

काशक—एफ. बी. बुरहानपुरवाला, सेंट्रल प्रकाशन, सिंप्लेक्स
ाल्डिंग, पाववाला स्ट्रीट, ड्रीमलेंड सिनेमा, न्यू चार्नीरोड, बंबई ४
मुद्रक—एस. के. खरगोनवाला
बाकीर प्रिंटिंग प्रेस, मुझफराबाद हॉल, ग्रांट रोड, बंबई ७